भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
12.03.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2044 का उत्तर

बिहार में लंबित और चालू रेलवे परियोजनाएं

2044. श्री सतीश चंद्र दुबे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार में लंबित और चालू रेलवे परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ख) नरकटियागंज भीखना थोरी रेल लाइन जैसी उन परियोजनाओं के लिए धनराशि कब तक आबंटित की जाएगी, जिनका काम धनराशि की कमी के कारण रोक दिया गया है; और
(ग) छितौनी तमकुही रेल लाइन परियोजना की स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

Sk

बिहार में लंबित और चालू रेलवे परियोजनाएं के संबंध में दिनांक 12.03.2021 को राज्य सभा में श्री सतीश चंद्र दुबे के अतारांकित प्रश्न सं. 2044 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) रेलवे परियोजनाएं ज़ोन-वार स्वीकृत की जाती हैं न कि राज्य-वार, क्योंकि भारतीय रेल नेटवर्क विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है। बहरहाल, 01.04.2020 को, बिहार राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली 74,880 करोड़ रु. लागत की 5,267 किमी लंबाई को कवर करने वाली 57 परियोजनाएं (35 नई लाइनें, 05 आमान परिवर्तन और 17 दोहरीकरण) योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से, 1,306 किमी लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2020 तक 22,123 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

वर्ष 2014-15 से, बिहार राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 13,259 करोड़ रूपए की लागत की 1180 कि.मी. लंबी 17 परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं और चालू की गई हैं तथा इस अवधि के दौरान, बिहार में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 16,833 करोड़ रुपए की लागत की 1412 कि.मी. लंबी 18 परियोजनाएं बजट में शामिल की गई हैं।

वर्ष 2014-19 के दौरान बिहार राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले अवसंरचनात्मक एवं संरक्षा कार्यों हेतु औसत वार्षिक बजट आबंटन 1,132 करोड़ रु. प्रति वर्ष (2009-14 के दौरान) से बढ़कर 3,061 करोड़ रु. प्रति वर्ष हो गया है, जो कि 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय के बजट परिव्यय से 170% अधिक है और वित्त वर्ष 2020-21 हेतु मुहैया कराए गए 4,489 करोड़ रु., जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 297% अधिक है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, इन कार्यों हेतु अभी तक का 5150 करोड़ रुपए का उच्चतम बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है जो कि 2009-14 के औसत बजट परिव्यय के संबंध में 355% अधिक है।

वर्ष 2014-19 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 695 कि.मी. लंबी (240 कि.मी. नई लाइनें, 280 कि.मी. आमान परिवर्तन और 175 कि.मी. दोहरीकरण) परियोजनाएं शुरू की गई हैं जो कि 2009-14 के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं (318 कि.मी.) से 119% अधिक है। वर्ष 2019-20 के दौरान 231 कि.मी. लंबी (64 कि.मी. नई लाइनें, 45 कि.मी. आमान परिवर्तन और 122 कि.मी. दोहरीकरण) परियोजनाएं शुरू की गई हैं जो कि 2009-14 के दौरान औसतन शुरू की गई परियोजनाओं (63.6 कि.मी. प्रति वर्ष) से 261% अधिक है।

(ख): इस समय कोई भी रेल परियोजना निधि के अभाव में अवरुद्ध नहीं है। रेलवे बोर्ड ने सभी चालू नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं और प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की समीक्षा की है। परियोजनाओं को निधि का आबंटन परियोजनाओं की प्राथमिकता, अंतिम छोर संपर्कता, भूमि अधिग्रहण की प्रगति और वन संबंधी स्वीकृति, रेलवे द्वारा अनुमानित आवश्यकता और धन की समग्र उपलब्धता आदि के आधार पर किया जाता है।

नरकटियागंज-भिखनाटोरी आमान परिवर्तन खंड जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज-भिखनाटोरी (294 किमी) आमान परिवर्तन परियोजना का भाग है। परियोजना की नवीनतम प्रत्याशित लागत 1100 करोड़ रु. है। 31.03.2020 तक 1042 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इस परियोजना के लिए चालू वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 3O करोड़ रु. के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। जयनगर-नरकटियागंज (260 किमी) खण्ड पहले ही चालू हो चुका है। नरकटियागंज-गौनाहा (22 किमी) खण्ड पर कार्य शुरू कर दिया गया है। गौनाहा-भिखनाटोरी (12 किमी) खंड पर कार्य शुरू नहीं किया गया है क्योंकि वन विभाग/बिहार सरकार ने इस खंड को संरक्षित वन घोषित किया है।

(ग): छितौनी-तमकुही रोड पनियहवा-छितौनी-तमकुही रोड (62.55 किमी) नई लाइन परियोजना का भाग है, जिसे बजट 2006-07 में शामिल किया गया था। परियोजना की प्रत्याशित लागत 895 करोड़ रु. है। मार्च, 2020 तक 112 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

पनियहवा-छितौनी (3.7 किमी) में कार्य पूरा हो चुका है। छितौनी-तमकुही रोड के शेष खंड (58.55 किमी) में भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्राथमिकता के अनुसार, छितौनी-तमकुही रोड नई लाइन परियोजना कम प्राथमिकता वाली परियोजना है।

****

Sk